समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 24 August 2026

शेयर बाजार दिवाली 2025: आज खुले है बाजार, जानिए कब होगा मुहूर्त ट्रेडिंग – बीएसई और एनएसई का खास अपडेट

Publisher

Published on 20 Oct 2025

उत्तर भारत में आज पारंपरिक दीपों का पर्व दिवाली धूमधाम से मनाया जा रहा है। घर-घर में दीप जलाए जा रहे हैं, मिठाइयों की खुशबू फैली हुई है और लोग धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना में व्यस्त हैं। हालांकि, इस उत्सव के बीच एक खास बात ध्यान देने योग्य है — शेयर बाजार (Stock Market) आज यानी 20 अक्टूबर 2025, सोमवार को खुले हैं, जबकि अधिकतर सरकारी और निजी संस्थान आज बंद हैं।

दरअसल, इस साल दिवाली का पर्व उत्तर भारत में 20 अक्टूबर को मनाया जा रहा है, लेकिन मुंबई और पश्चिमी भारत में मुख्य दिवाली 21 अक्टूबर 2025 को पड़ेगी। इसी कारण से बीएसई (BSE) और एनएसई (NSE) ने आज सामान्य कारोबारी सत्र (Normal Trading Session) को जारी रखने का निर्णय लिया है। वहीं, कल यानी 21 अक्टूबर को बाजारों में अवकाश रहेगा, लेकिन उसी दिन शाम को मुहूर्त ट्रेडिंग (Muhurat Trading) का आयोजन किया जाएगा।

मुहूर्त ट्रेडिंग क्या है ?

मुहूर्त ट्रेडिंग भारतीय शेयर बाजारों की एक अनोखी परंपरा है, जो हर साल दिवाली के दिन आयोजित की जाती है। इस दिन, निवेशक और ट्रेडर शुभ मुहूर्त में सीमित समय के लिए शेयरों की खरीद-बिक्री करते हैं। इसे लक्ष्मी पूजन के समय किया गया निवेश माना जाता है, जो धन-समृद्धि और शुभ लाभ का प्रतीक होता है।

मुहूर्त ट्रेडिंग को लेकर निवेशकों में हर साल खासा उत्साह रहता है। इस दिन बाजार में ट्रेडिंग का समय आमतौर पर सिर्फ 1 घंटे का होता है, लेकिन इस छोटे से सत्र में भी सेंसेक्स और निफ्टी में जबरदस्त हलचल देखी जाती है।

इस साल कब होगी मुहूर्त ट्रेडिंग ?

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) ने पुष्टि की है कि इस साल मुहूर्त ट्रेडिंग 21 अक्टूबर 2025

(मंगलवार) को होगी।

मुहूर्त ट्रेडिंग की तारीख: 21 अक्टूबर 2025

शुभ मुहूर्त का समय: शाम 6:15 बजे से 7:15 बजे तक (संभावित)

प्री-ओपन सत्र: शाम 6:00 बजे से 6:08 बजे तक

क्लोजिंग सेशन: शाम 7:30 बजे तक

(ध्यान दें: समय में मामूली बदलाव एक्सचेंज द्वारा बाद में अधिसूचित किया जा सकता है।)

आज शेयर बाजार क्यों खुले है ?

आमतौर पर दिवाली पर पूरे देश में अवकाश रहता है, लेकिन भारत जैसे विविधताओं वाले देश में त्योहारों की तिथियाँ क्षेत्रीय पंचांगों के अनुसार बदलती रहती हैं।

इस बार उत्तर भारत में दिवाली 20 अक्टूबर को मनाई जा रही है, जबकि महाराष्ट्र और दक्षिण भारत में 21 अक्टूबर को। चूंकि बीएसई और एनएसई मुंबई में स्थित हैं, इसलिए इन एक्सचेंजों के लिए मुख्य दिवाली मंगलवार को मानी जाएगी।

इसी कारण आज यानी सोमवार, 20 अक्टूबर को शेयर बाजार खुले हैं, और कल दिवाली के मौके पर नियमित ट्रेडिंग बंद रहेगी।

निवेशकों मे बढ़ा उत्साह

त्योहारों के मौसम में निवेशकों का मूड आमतौर पर सकारात्मक रहता है। दिवाली से पहले सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी का रुख देखा गया है। विश्लेषकों के मुताबिक, निवेशक मानते हैं कि नए वित्तीय वर्ष और नए संवतः (Hindu Samvat 2082) की शुरुआत के साथ निवेश करने से शुभ फल मिलते हैं।

कई ब्रोकरेज हाउस और फंड मैनेजर इस मौके पर विशेष "दिवाली पोर्टफोलियो" पेश करते हैं, जिसमें लंबी अवधि के लिए निवेश की सलाह दी जाती है।

बीएसई और एनएसई ने जारी किया नोटिस

दोनों प्रमुख एक्सचेंजों — BSE और NSE — ने अपने आधिकारिक नोटिस में स्पष्ट किया है कि सोमवार, 20 अक्टूबर 2025 को सामान्य ट्रेडिंग सत्र होगा। मंगलवार, 21 अक्टूबर 2025 को नियमित बाजार बंद रहेगा। उसी दिन शाम को मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र आयोजित किया जाएगा।

इस नोटिस के बाद निवेशकों में भ्रम की स्थिति साफ हो गई है।

मुहूर्त ट्रेडिंग मे कैसे करे निवेश ?

अगर आप पहली बार मुहूर्त ट्रेडिंग में भाग ले रहे हैं, तो निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना ज़रूरी है:

पहले से ट्रेडिंग खाता सक्रिय रखें।

ट्रेडिंग के लिए शेयर चुनने से पहले दीर्घकालिक निवेश रणनीति बनाएं।

भावनाओं में आकर खरीद-बिक्री न करें।

विशेषज्ञ सलाह लें और पोर्टफोलियो विविध बनाएं।

केवल उतनी ही राशि निवेश करें, जितनी आप जोखिम उठा सकते हैं।

पिछले साल का रुझान

पिछले वर्ष 2024 में मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र के दौरान सेंसेक्स 355 अंकों की बढ़त के साथ बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 117 अंकों तक ऊपर गया था। इस साल भी बाजार विशेषज्ञों को उम्मीद है कि निवेशक दिवाली पर उत्साह के साथ भाग लेंगे और सकारात्मक शुरुआत करेंगे।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.